# समाचार पत्र

# वट वृक्ष

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान
(क्षेक्षनिज्ञासं),कोलकाता

अप्रैल-जून 2023

# प्रधान निदेशक की कलम से

**प्रिय पाठक**

**मुझे जून 2023 की समाप्ति पर वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के लिए समाचार पत्र-प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। हमने आवरण पृष्ठ बदल दिया हैं और विशाल वट के वृक्ष का प्रयोग किया है जो 250 वर्ष से भी ज्यादा पुराना वृक्ष है तथा यह कोलकाता में स्थित आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डन के लगभग 14,500 वर्ग मीटर तक की भूमि (3.5 एकड़) में फैला हुआ हैं जिस कारण से यह विश्व के विशाल पेड़ों में से एक हैं।दूर से पेड़ो को देखने पर ऐसा प्रतीत होता है मानो जंगल है परंतु जो अलग-अलग पेड़ दिखाई देते हैं वो वास्तव में उन 3,600 पेड़ो की वायवीय(न दिखाई देने वाली) जड़ें हैं। पेड़ अनंत समृद्धि और विकास का प्रतीक है।**

**हमारे उपयोगकर्ता कार्यालयों के निरंतर समर्थन से हमने प्रशिक्षण जनादेश को प्राप्त करने का लगातार प्रयास किया है। हमने एमसीटीपी लेवल-3 का एक सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया है। नए सीधे भर्ती हूए सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए चरण-I के भाग-I का प्रशिक्षण 20 अप्रैल 2023 को पूरा हुआ तथा उनके चरण -I के भाग -II का प्रशिक्षण 14 जून 2023 से आरंभ हुआ।**

**"क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता ने ज्ञान केंद्र के रूप में उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में अनुपालन लेखापरीक्षा के लिए 2023-24 के दौरान "जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा" विषय पर दो अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की परियोजना बनाई ताकि प्रतिभागियों को लेखापरीक्षा के दौरान इस तकनीक का उपयोग करने में सक्षम बनाया जा सके।"**

**प्रशिक्षण प्रदान करने में उच्चतम मानकों तक पहुंचने के हमारे प्रयास जारी रहेंगे तथा अपने विभाग के साथ-साथ अन्य हितधारकों की क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने का हमारा प्रयास जारी रहेगा। क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए उत्कृष्ट संकाय सदस्य प्रदान करने के लिए भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग कार्यालयों के साथ- साथ बाह्य संगठनो के प्रति आभारी है और इस दिशा में निरंतर सहयोग के लिए हम आगामी काल में भी आशान्वित हैं।**

**इस समाचार-पत्र के माध्यम से क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता के प्रदर्शन और उपलब्धियों के बारे में अपने पाठकों के साथ संवाद करना हम आगे भी जारी रखेंगे।**

**समाचार-पत्र को बेहतर बनाने के लिए पाठकों से प्राप्त निविष्टियों का हम स्वागत करते है साथ ही क्षेक्षनिज्ञासं के rtikolkata@cag.gov.in साइट पर उपलब्ध प्रशिक्षण सामग्री में सुधारो/संशोधनो के लिए विचारों और सुझावों का स्वागत करते हैं।**

**अनादि मिश्रा**

**प्रधान निदेशक**
**क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता**

## विषय-सूची


| विवरण | पृष्ठ सं. |
|---|---|
| **(क) महत्वपूर्ण दिनों के साथ-साथ पाठ्येतर गतिविधियों का अनुपालन** | **3** |
| (i) नौवाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस | **3** |
| (ii) क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर। | **6** |
| **(ख) प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम (अप्रैल 2023 से जून 2023)** | **8** |
| (i) सीजीएलई 2019 और 2020 बैच के सी.भ.स.ले.प.अ(डी.आर.ए.ए.ओ) के लिए चरण-I का प्रशिक्षण। | **8** |
| (ii) सीजीएलई 2019 और 2020 बैच के सी.भ.स.ले.प.अ(डी.आर.ए.ए.ओ)के लिए चरण-II का प्रशिक्षण। | **10** |
| **(ग) मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (अप्रैल 2023 से जून 2023)** | **13** |
| (i) एमसीटीपी-स्तर 3 प्रशिक्षण | **14** |
| **(घ) ज्ञान केंद्र की गतिविधियाँ** | **16** |
| (i)संरचित प्रशिक्षण मॉड्यूल (एसटीएम)/केस स्टडीज की तैयारी | **16** |
| **(ड़) सामान्य प्रशिक्षण** | **17** |
| (i) कंपनी अधिनियम 2013 सहित वाणिज्यिक लेखा परीक्षा | **17** |
| (ii) एसडीजी के साथ पर्यावरण लेखा परीक्षा पर कार्यशाला जिसमें नीली अर्थव्यवस्था पर विशेष ध्यान देना शामिल हैं। | **19** |
| (iii) डीपी के प्रारूपण और इस उद्देश्य के लिए डेटा विज़ुअलाइज़ेशन के प्रयोग पर कार्यशाला | **23** |
| (iv) अन्य सामान्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। | **25** |
| **(च) सूचना प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण** | **28** |
| (i) टैली ऑडिटर का संस्करण | **28** |
| (ii) अन्य आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। | **30** |
| **(छ) उपयोगकर्ता कार्यालय की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा इन-हाउस प्रशिक्षण /बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई।** | **34** |
| **(ज) उपयोगकर्ता कार्यालयों तथा भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग के बाह्य कार्यालयों को प्रशिक्षण दिया गया।** | **34** |
| **(झ) प्रश्नोत्तरी** | **36** |
| **(ञ) प्रश्नोत्तरी के उत्तर** | **38** |

## (क) महत्वपूर्ण दिनों के साथ-साथ पाठ्येतर गतिविधियाँ मनाना।

### (i) 9 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

**9 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता एवं सीजीएलई 2019 और 2020 बैच के सी.भ.स.ले.प.अ.(डीआरएएओ) के अधिकारी।**

योग एक प्राचीन शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक प्रक्रिया है जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी। 'योग' शब्द संस्कृत के "युज" शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ है जुड़ना या एकजुट होना, यह शरीर और चेतना के मिलन का प्रतीक है। आज, योग दुनिया भर में विभिन्न रूपों में प्रचलित है और इसकी लोकप्रियता में लगातार वृद्धि हो रही है। 2016 में मानवता के अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में योग को अंकित किया गया था। प्राचीन भारतीय योगाभ्यास के पीछे छिपे दर्शन ने भारतीय समाज के विभिन्न पक्षों को प्रभावित किया है, जैसे- स्वास्थ्य और चिकित्सा तथा शिक्षा और कला जैसे क्षेत्र। मन के साथ शरीर और आत्मा के मेल होने से यह मानसिक, आध्यात्मिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करता है। योग के मूल्य एक वृहद समुदाय के लोकाचार का हिस्सा हैं। योग दिन-प्रतिदिन के जीवन में एक संतुलित दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है और कार्यो के निष्पादन में हमारे कौशल को बढ़ाता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का मसौदा भारत ने प्रस्तावित किया था और 175 सदस्य देशों ने इसका समर्थन किया था। इस प्रस्ताव को पहली बार

हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 69 वें महासभा के सत्र के उद्घाटन के दौरान रखा था। इसके सार्वभौमिक अपील को देखते हुए, 11 दिसंबर 2014 को, संयुक्त राष्ट्र ने 69/131 के प्रस्ताव द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य योगाभ्यास से होने वाले लाभों के बारे में दुनिया भर में जागरूकता फैलाना है।

9 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (अंयोदि) का विषय "वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग" (समस्त 'विश्व एक परिवार है' के लिए योग)" था। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अंयोदि 2023 का देशी टैगलाइन 'हर आंगन योग' है जिसे जमीनी स्तर पर हर घर तक योग पहुंचाने के लिए प्रचारित किया जा रहा है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली और आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता ने योगलाइफ, कोलकाता के सहयोग से निर्देशों के अनुरूप एक योग सत्र का आयोजन किया था। इस सत्र में प्रधान निदेशक, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता, संकाय सदस्यों और संस्थान के कर्मचारियों के साथ-साथ सीजीएलई 2019 और 2020 बैचों के सीधे भर्ती हूए सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों सी.भ.स.ले.प.अ.(डीआरएएओ)ने भाग लिया था। योग प्रशिक्षको के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न आसन किए गए। सी.भ.स.ले.प.अ.(डीआरएएओ) के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था। सुश्री के. एस. मीरा रेड्डी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, सुश्री अन्वी पराशर, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी और सुश्री तन्या सचान, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी को क्रमशः विजेता, प्रथम रनर अप और द्वितीय रनरअप घोषित किया गया।

**सुश्री के. एस. मीरा रेड्डी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता में विजेता के रुप में।**

**9 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सुश्री अन्वी परासर (बाएं), सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी और सुश्री तान्या सचान, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी पोस्टरों के साथ**

## (ii) क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर

**श्री अनादि मिश्रा, महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल और श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता 03 मई 2023 को क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता के कर्मचारियों के साथ स्वास्थ्य शिविर के उद्घाटन के मौके पर।**

केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) ने अपने पैनल वाले अस्पतालों में कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार के कार्यालयों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया हैं जिसके अंतर्गत चिकित्सा जांच, डॉक्टरों से परामर्श और स्वास्थ्य जांच शामिल है। यह प्रारंभिक अवस्था में स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करने में मदद करता है और समय पर रोकथाम और उपचार में मदद करता है। कर्मचारी जीवन शैली में सुधार के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा और सूचना प्राप्त कर सकते हैं जो विभिन्न बीमारियों को शुरुआत में ही रोकने और समग्र विकास को बढ़ावा देने में मदद करता हैं। यह सुनिश्चित करता है कि ज्यादा से ज्यादा कर्मचारी कम खर्च में चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। जब संगठन अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य के देखभाल के लिए सक्रिय कदम उठाता है, तो यह कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाता है और वे संगठन के समर्थन प्राप्त करने के कारण गौरन्वित महसूस करते हैं, जो उनकी उत्पादकता और वफादारी को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता ने 03 से 04 मई 2023 को डेसुन अस्पताल के सहयोग से अपने कर्मचारियों तथा कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल के कर्मचारियों के लिए 2 दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। वजन माप जैसी परीक्षण सुविधाएं, यादृच्छिक रक्त शर्करा परीक्षण, रक्तचाप माप, ईसीजी और इकोकार्डियोग्राम जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध थी और डेसुन अस्पताल के डॉक्टर चिकित्सा परामर्श और जीवन शैली प्रबंधन परामर्श के लिए स्वास्थ्य शिविर के दौरान भी उपस्थित थे। दोनों कार्यालयों के दो सौ

कर्मचारियों ने इस सुविधा का लाभ उठाया। कर्मचारियों की भलाई की दिशा में संस्थान के द्वारा किए गए प्रयासों को सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने बहुत सराहा।

**श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता 04 मई 2023 को डेसुन अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों तथा क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता के कर्मचारियों के साथ।**

## (ख) प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम (अप्रैल 2023 से जून 2023 तक)

### (i) सीजीएलई 2019 और 2020 बैच के सी.भ.स.ले.प.अ.(डी.आर.ए.ए.ओ) के लिए चरण-I का प्रशिक्षण

सीजीईएलई 2019 और 2020 बैच के प्रत्यक्ष भर्ती हूए सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों के लिए प्रारंभिक प्रशिक्षण के चरण-I के भाग-1 का समापन 20 अप्रैल 2023 को हुआ। इस प्रशिक्षण में सीधे भर्ती किए गए 32 सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के पहले चरण में मुख्य रूप से अभ्यर्थियों को मई 2023 के महीने में आयोजित होने वाली अधीनस्थ लेखापरीक्षा सेवा परीक्षा का अवलोकन करने पर ध्यान केंद्रित करना था और उस अवधि के दौरान अधीनस्थ सेवा परीक्षा के पाठ्यक्रम को पूरा किया गया ताकि अभ्यर्थी परीक्षा पास कर सकें। प्रशिक्षण सत्र में रेलवे ऑडिट मैनुअल वर्कशॉप ऑडिट, वित्तीय लेखांकन, लागत लेखांकन, यातायात राजस्व, भारतीय रेलवे वाणिज्यिक मैनुअल खंड-I, भारतीय रेलवे

वाणिज्यिक मैनुअल खंड-II, वित्तीय नियम और वित्तीय लेखापरीक्षा प्रावधान, रेलवे खातों के सिद्धांत, लेखा विभाग के लिए भारतीय रेलवे कोड, रेलवे खातों, आईआरसीए टैरिफ के सिद्धांत, इंजीनियरिंग विभाग के लिए भारतीय रेलवे कोड आदि से संबंधित विषय शामिल थे। अभ्यर्थियों को 'रेलवे' विषय पर संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेलवे के संकाय सदस्यों को आमंत्रित किया गया था। विभिन्न भा.ले.व.ले.वि कार्यालयों के साथ साथ इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड-अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया आदि जैसे प्रतिष्ठित व्यावसायिक संगठनों के डोमेन विशेषज्ञों को संकाय सदस्यों के रूप में आमंत्रित किया गया था ताकि अभ्यर्थियों को पाठ्यक्रम में शामिल विषयों की गहन जानकारी दी जा सके। चरण -I के प्रशिक्षण में बाह्य संकाय सदस्य जैसे श्री अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड अकाउंटेंट, श्री प्रोसेनजीत सेन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, महानिदेशक लेखा परीक्षा (कोयला), कोलकाता, श्री प्रणब कुमार सिकदर, आईसीएआईसीएमए-, जॉयदेब चक्रवर्ती, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा, रेलवे उत्पादन इकाइयां और मेट्रो रेलवे, कोलकाता, सुश्री देबाश्री मुखर्जी, मुख्य वाणिज्यिक निरीक्षक, भारतीय रेलवे, सुश्री सायंतनी पॉल, मुख्य वाणिज्यिक निरीक्षक, माल ढुलाई सेवा, भारतीय रेलवे, श्री गौतम रॉय ,एएफए, भारतीय रेलवे, श्री विश्वजीत बसाक, एएफए, भारतीय रेलवे, श्री देबासिस सिन्हा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, श्री तरूण कुमार दत्ता, एएफए, पूर्वी रेलवे, सुश्री मीता रॉय, एएफए बी एंड/ बी और पीएफएके सचिव, भारतीय रेलवे, श्री ए.के साहू, उपवर्क्स/सी/सीई ., भारतीय रेलवे, श्री के.ए.जे बाबू, उप मुख्य . अभियंता, भारतीय रेलवे और श्री सुरेश प्रसाद सिंह, कार्यकारी अभियंता/योजना, भारतीय रेलवे। श्री रंजन दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कोर फैकल्टी, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता, श्री सुजय बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कोर फैकल्टी, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता, श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कोर फैकल्टी, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता और श्री दीपक कुमार सिंह, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, कोर फैकल्टी, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इन हाउस-संकाय सदस्य थे।

**श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता, 2019 और 2020 बैच के सी.भ.स.ले.प.अ.(डी.आर.ए.ए.ओ) और क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता के संकाय सदस्य के साथ।**

**(ii) सीजीएलई 2019 और 2020 बैच के सी.भ.स.ले.प.अ.(डी.आर.ए.ए.ओ) के लिए चरण-II का प्रशिक्षण**

सीधे भर्ती हूए सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण के चरण-I के भाग-2 की शुरुआत 14 जून 2023 से हुई। प्रशिक्षण में सीधे भर्ती हूए 32 सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों ने भाग लिया, जिन्होंने प्रशिक्षण के चरण-I के भाग-1 में भाग लिया था, साथ ही 13 नए सीधे भर्ती हूए सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों ने भी भाग लिया था। प्रशिक्षण का दूसरा चरण अभ्यर्थियो को विभाग का एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करने, उनके प्रशासनिक और तकनीकी ज्ञान को विकसित करने के साथ-साथ अप्रशिक्षित कर्मचारियों के क्षमता निर्माण करने पर केंद्रित था। इससे व्यवहारिक अभिविन्यास, प्रेरणा, उन्नयन कौशल और ज्ञान को लक्षित करने और सामान्य तथा कार्यक्षेत्र विशिष्ट क्षमताओं को विकसित करने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण सत्रों में शामिल हैं -

(i) सीसीएस (आचरण) नियम, 1964 से संबंधित प्रशासनिक विषय; सीसीएस (सीसीए) नियम, 1965; परियोजनाओं और अनुबंध प्रबंधन का लेखापरीक्षा, मौलिक नियमों और अनुपूरक नियमों, जेम से सार्वजनिक खरीद नियमों का लेखापरीक्षा, राष्ट्रीय पेंशन योजना।

(ii) निष्पादन लेखापरीक्षा दिशानिर्देश, अनुपालन लेखापरीक्षा दिशानिर्देश, वित्तीय लेखापरीक्षा दिशानिर्देश, वित्तीय, अनुपालन और निष्पादन लेखापरीक्षा का व्यापक ढांचा, सरकारी लेखा मानक सलाहकार बोर्ड की भूमिका, साई(SAIs) का अधिदेश और साई(SAIs) में क्षमता निर्माण, साई (SAIs) की आवश्यकता और उसकी सार्थकता, बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए साई

(SAIs) की वैश्विक उपस्थिति और उसकी उपलब्धियां, सीएजी (डीपीसी) अधिनियम, 1971, लेखापरीक्षा और लेखा 2020 पर विनियम, परिणाम लेखापरीक्षा, रेलवे से संबंधत मामले पर अनुपालन लेखापरीक्षा का अध्ययन आदि से संबंधित लेखापरीक्षा के विषय शामिल हैं।

(iii) ईमानदारी, जवाबदेही और स्वामित्व, प्रतिबद्धता, प्रतिबद्धता की दुविधाएं, अनुशासन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, निष्पादन उत्कृष्टता से संबंधित व्यक्तित्व विकास विषय इसमें शामिल हैं।चरण- I के प्रशिक्षण के लिए बाहरी संकाय सदस्यों में शामिल थे लेफ्टिनेंट कर्नल विपुल शर्मा, भारतीय सेना, सुश्री संजीना गुप्ता, संस्थापक और सीईओ, रंगीन खिड़की फाउंडेशन, सुश्री तरनजीत कौर चौहान, मुख्य सशक्तिकरण कोच, आईसीबीआई, श्री संजीव कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा- I), पश्चिम बंगाल, कोलकाता और श्री कृष्ण चंद्र कुंडू, सहायक लेखा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार (ले.व.ह), पश्चिम बंगाल, कोलकाता जिन्होंने व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ प्रशासनिक और लेखापरीक्षा विषय पर प्रशिक्षण दिया। इन-हाउस संकाय सदस्यों में श्री उत्तम दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, श्री सुजय बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, सुश्री पारिजात सैकिया, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, श्री सुशोभन चटर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, और श्री दीपक कुमार सिंह, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी ने व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ प्रशासनिक और लेखापरीक्षा विषयों पर भी सत्र लिया। प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच सौहार्द्र को बढ़ावा देने और टीम वर्क को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थान में एक कैरम टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।

**श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता में दर्शक के रूप में आए थे जबकि सीधे भर्ती हूए सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों (सी.भ.स.ले.प.अ.) ने कैरम प्रतियोगिता में भाग लिया।**

**श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता 24 जून 2023 को कैरम प्रतियोगिता के विजेताओं जैसे श्री दया निर्मल यादव, एएओ और श्री शुभम मीना, एएओ और रनर-अप सुश्री स्वाति, एएओ और श्री जे गोवर्धन रेड्डी, एएओ (बाएं से दाएं) के साथ**

## (ग) मध्य कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (अप्रैल 2023 से जून 2023 तक)

विभाग में एक निश्चित अवधि की सेवा वाले वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारियों और सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष 2021 में शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य एक पेशेवर, निष्पक्ष और कुशल अधिकारी तैयार करना था जो विभाग की जरूरतों के प्रति उत्तरदायी हो। एमसीटीपी का मुख्य मकसद यह सुनिश्चित करना है कि अधिकारियों के पास उन्हें सौंपे गए कार्यों को प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के लिए अपेक्षित ज्ञान, कौशल और अभिवृत्ति हो। क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता ने अप्रैल से जून 2023 के दौरान निम्नलिखित एमसीटीपी प्रशिक्षण आयोजित किए थे।

### (i) एमसीटीपी- लेवल -3 प्रशिक्षण

एमसीटीपी लेवल- 3 का प्रशिक्षण उन अधिकारियों को दिया गया, जिन्होंने वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के कैडर में बारह वर्ष की सेवा पूरी कर ली है। एक एमसीटीपी लेवल-3 का प्रशिक्षण मई 2023 के महीने में हुई थी। सॉफ्ट स्किल विषय जैसे विश्लेषणात्मक विचार, समस्या समाधान के लिए व्यवस्थित चरण-दर-चरण दृष्टिकोण, समस्याओं को हल करने के लिए व्यवस्थित और तार्किक दृष्टिकोण, कारण की पहचान करना और अप्रत्याशित परिणामों की आशा करना, समय और तनाव प्रबंधन, कार्य और जीवन के बीच संतुलन बनाना, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी से भूमिका परिवर्तन का प्रबंधन करना सीखना, पेशेवर और व्यवहारकुशल आचरण, टीम भावना, आंतरिक नियंत्रण, धोखाधड़ी और फोरेंसिक इस प्रशिक्षण में शामिल था।

आईटी परिवेश में ऑडिटिंग, ऑडिट में डेटा एनालिटिक्स, रिमोट ऑडिट की अवधारणा, गवर्नेंस, जोखिम प्रबंधन और अनुपालन (जीआरसी), ई-गवर्नेंस को समझना, सार्वजनिक व्यय, राजस्व के स्रोत, हितधारक जुड़ाव-सिद्धांत, हितधारक जुड़ाव की रूपरेखा और मध्यबिंदु क्षेत्र जैसे विषय इसमें शामिल थे। वैश्विक पर्यावरण संकट को समझना, पर्यावरण प्रशासन उपकरणों को प्रशिक्षण के दौरान शामिल किया गया।

संस्थान ने सहयोगी कार्यालयों के साथ-साथ अन्य सरकारी और गैर सरकारी संगठनों से श्री अरिजीत घोष, फ्रीलांस, श्री मोतिउर रहमान, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, श्री समीर कुमार दे, वरिष्ठ उपमहालेखाकार, अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड अकाउंटेंट, सुश्री दीप्ति बग्गा, सहायक लेखा नियंत्रक, केंद्रीय कर निदेशक बोर्ड, श्री पवन कुमार कोंडा, वरिष्ठ उप महालेखाकार, महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, श्री सुगाता हाजरा, प्रोफेसर, जादवपुर विश्वविद्यालय, डॉ. देबाशीष चक्रवर्ती, वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पश्चिम बंगाल और श्री सिसिर मंडल, सहायक पर्यावरण अभियंता, पश्चिम बंगाल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जैसे संकाय सदस्यों को आमंत्रित किया था।

इन-हाउस संकाय सदस्यों में श्री उत्तम दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी और श्री सुशोभन चटर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी ने भी पाठ्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण दिया।

पश्चिम बंगाल राज्य परिवहन विभाग और रिवर क्रूज़ के जरिए एमसीटीपी लेवल-3 प्रशिक्षण के प्रतिभागियों के लिए एक अध्ययन यात्रा की व्यवस्था की गई थी।

**अपने प्रशिक्षण सत्र के दौरान एमसीटीपी-स्तर-3 के प्रतिभागी**

**श्री अरिजीत घोष, फ्रीलांस 10 मई 2023 को एमसीटीपी लेवल-3 के प्रतिभागियों के साथ टीम स्पिरिट के विषय पर चर्चा करते हुए**

## (घ) ज्ञान केंद्र की गतिविधियाँ

### (i) *संरचित प्रशिक्षण मॉड्यूल (संप्रमॉ)/केस स्टडीज की तैयारी*

"विधिक शुल्क के धोखाधड़ीपूर्ण भुगतान" और "भारतीय रेलवे में समय की पाबंदी और यात्रा समय" पर केस अध्ययन तैयार किया गया है और अनुमोदन के लिए मुख्यालय को प्रस्तुत किया गया है।

इंड एस (*Ind AS*) पर संरचित प्रशिक्षण मॉड्यूल (संप्रमॉ) को मुख्यालय के अनुमोदन के लिए भेजा गया है, जो जून *2023* तक समकक्ष समीक्षा के अधीन है। केस स्टडीज के ई-सारसंग्रह के दूसरे संस्करण का मसौदा, जिसे ऑडिट दिवस, *2023* के अवसर पर जारी किया जाना है, उसे इस कार्यालय द्वारा तैयार किया गया है और जून *2023* में मुख्यालय कार्यालय को भेजा गया है।

## (ड़) सामान्य प्रशिक्षण

### *(i)* कंपनी अधिनियम *2013* के अंन्तर्गत वाणिज्यिक लेखापरीक्षा

सीएजी जनता के विश्वास को कायम रखने और सुशासन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कंपनी अधिनियम सहित वाणिज्यिक लेखापरीक्षा का प्रशिक्षण कार्यक्रम लेखापरीक्षकों के लिए अत्यधिक महत्व रखता है। लेखापरीक्षक सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं में वित्तीय जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी हैं। कंपनी अधिनियम कानून का एक मौलिक खंड है जो अधिकांशत: न्यायक्षेत्रों में कंपनियों की स्थापना, संचालन और वित्तीय रिपोर्टिंग को परिचालित करता है। लेखांकन और लेखापरीक्षा परिदृश्य विकसित होने के साथ कंपनी अधिनियम और अन्य प्रासंगिक कानूनों के नवीनतम संशोधनों के साथ अद्यतन रहना सर्वोपरि हो गया है। वाणिज्यिक ऑडिट का व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम, कंपनी अधिनियम की गहन समझ , लेखापरीक्षकों को सार्वजनिक उद्यमों, वैधानिक निगमों और सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों के प्रभावी ऑडिट करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करता है।

यह ज्ञान उन्हें सटीकता, संपूर्णता और दक्षता के साथ ऑडिट करने में सक्षम बनाता है, जिससे अधिक विश्वसनीय और व्यावहारिक ऑडिट रिपोर्ट तैयार होती है।

क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता द्वारा 17 से 20 अप्रैल 2023 में आयोजित प्रशिक्षण में कंपनी अधिनियम 2013 और इसके नवीनतम संशोधन, नियम और विनियम, सरकारी कंपनियां और सीएजी ऑडिट के लिए सरकारी कंपनियों का लेखापरीक्षा अधिदेश, सरकारी कंपनियों के वार्षिक खातों के प्रमाणन ऑडिट (पूरक ऑडिट) से संबंधित प्रक्रिया, कॉर्पोरेट गवर्नेंस के प्रमुख घटक, निदेशक मंडल, ऑडिट समिति, बोर्ड की बैठकें, वार्षिक सामान्य बैठक, अतिरिक्त सामान्य बैठक, कॉर्पोरेट सामाजिक

जिम्मेदारी, निदेशकों को पारिश्रमिक, कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 129, 133, 134, 137 के कंपनी खातों पर कानूनी प्रावधान, कैश फ्लो स्टेटमेंट तैयार करना, कैश फ्लो स्टेटमेंट तैयार करने के लिए इंड-एस के प्रावधान, कंपनी अधिनियम 2013 के तहत बैलेंस शीट और लाभ-हानि खाता तैयार करने के लिए वार्षिक वित्तीय विवरणों और सामान्य प्रावधान का अवलोकन करना। सीएफएस के ऑडिट के दौरान उससे जुड़े अधिनियम/नियम, ऑडिट योजना, ऑडिट उद्देश्य, भौतिकता, जोखिम विश्लेषण , अभिकथन की अवधारणा, दृष्टिकोण और नमूनाकरण के सीएफएस प्रावधानों पर समेकित वित्तीय विवरण (सीएफएस)। प्रशिक्षण के दौरान केस अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे वास्तविक जीवन के परिदृश्य और व्यावहारिक चुनौतियाँ पेश करते हैं जिनका सामना लेखा परीक्षकों को अपने पेशेवर करियर में करना पड़ सकता है। इन मामलों का विश्लेषण करने से प्रशिक्षुओं को महत्वपूर्ण विचार कौशल विकसित करने, ऑडिट सिद्धांतों को लागू करने और वाणिज्यिक ऑडिट की जटिलताओं को समझने में मदद मिलती है। इस प्रकार, प्रशिक्षण कार्यक्रम में वाणिज्यिक लेखापरीक्षा पर केस स्टडीज का दो सत्र शामिल किए गए थे। प्रशिक्षण के लिए संकाय सदस्यों में श्री अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड अकाउंटेंट, श्री संतोष तिवारी, वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (खान), सुश्री ममता बिनानी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष (2016), द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया, श्री रोशन कुमार बजाज, चार्टर्ड अकाउंटेंट, आई.सी.ए.आई., कोलकाता और श्री प्रोसेनजीत सेन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला), कोलकाता शामिल थे। पाठ्यक्रम का प्रतिफल स्तर 9.65 था।

**सुश्री ममता बिनानी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष (2016), इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया, कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर अपने सत्र के दौरान**

**(ii) नीली अर्थव्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के साथ एसडीजी के साथ पर्यावरण ऑडिट पर कार्यशाला**

सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और नीली अर्थव्यवस्था पर विशेष जोर देने के साथ एक पर्यावरण ऑडिट बहुत महत्व रखता है क्योंकि यह महत्वपूर्ण स्थिरता चुनौतियों का समाधान करता है।पर्यावरण ऑडिट पर्यावरण पर मानवीय गतिविधियों के प्रभाव का आकलन करते हैं, पर्यावरण नियमों का अनुपालन सुनिश्चित कराते हैं और उत्तरदायी प्रबंधो को बढ़ावा देते हैं। एसडीजी को ऑडिट प्रक्रिया में एकीकृत करने से सतत विकास के लिए किसी इकाई के योगदान के व्यापक मूल्यांकन से सहायता मिलती है। नीली अर्थव्यवस्था, जो समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग पर ध्यान केंद्रित करती है, वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र और अर्थव्यवस्था में महासागरों की महत्वपूर्ण भूमिका के कारण आज यह ख़्याति अर्जित कर रही है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नीली अर्थव्यवस्था पर विशेष ध्यान केंद्रित करके, लेखा परीक्षक समुद्री आधारित उद्योगों और गतिविधियों के पर्यावरणीय प्रभावों का मूल्यांकन कर सकते हैं। यह उन्हें मत्स्य पालन, जलीय कृषि और समुद्री परिवहन जैसे क्षेत्रों में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए व्यवसायों और सरकारों के लिए संभावित पर्यावरणीय जोखिमों और अवसरों की पहचान करने में सक्षम बनाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समग्र दृष्टिकोण लेखापरीक्षकों को पर्यावरणीय प्रदर्शन का आकलन करने, एसडीजी की दिशा में प्रगति का विश्लेषण करने और समुद्री संसाधनों के आवश्यक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता से लैस करता है। पर्यावरणीय मुद्दों को वैश्विक स्थिरता

उद्देश्यों के साथ जोड़कर, ऑडिटर अधिक पारिस्थितिक रूप से संतुलित और आर्थिक रूप से व्यवहारिक दुनिया को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम की सार्थकता ऑडिटरों को पारंपरिक वित्तीय ऑडिट से परे विशेष ज्ञान और कौशल के साथ सशक्त बनाने में मदद करता है। यह सुनिश्चित करके कि व्यवसाय और सरकारी संस्थाएं अपनी गतिविधियों को पर्यावरणीय नियमों और वैश्विक स्थिरता उद्देश्यों के साथ संरेखित करती है, सीएजी पारिस्थितिक अखंडता और उत्तरदायी संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे राष्ट्र के लिए अधिक टिकाऊ और लचीली अर्थव्यवस्था में योगदान मिलता है।

प्रशिक्षण सत्रों में जल प्रदूषण और पर्यावरण पर उसके प्रभाव, मानव स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था, पर्यावरण लेखापरीक्षा का परिचय और पर्यावरण स्थिरता को बढ़ावा देने में इसका महत्व, जल प्रदूषण के मुद्दे और पूर्वी कोलकाता वेटलैंड्स की अन्य चुनौतियाँ, पश्चिम बंगाल में भूजल प्रबंधन के मुद्दे और चुनौतियाँ जैसे विषय शामिल थे, कोलकाता और उसके आसपास के तालाबों के पानी के मुद्दे, भूजल प्रबंधन और विनियमन पर केस स्टडी, नीली अर्थव्यवस्था: स्थिति और अवसर, नीली अर्थव्यवस्था में मत्स्य पालन और जलीय कृषि के महत्व को समझना, कोलकाता जलवायु परिवर्तन और नदी व्यवस्था और जल प्रदूषण के कारण एक बेहद संवेदनशील शहर है। क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में संकाय सदस्यों में श्री अनादि मिश्रा, महालेखाकार, कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता, श्री कल्याण रुद्र, अध्यक्ष, पश्चिम बंगाल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, श्री सुदीप्त भट्टाचार्जी, संकाय, सेफ एनवायर्नमेंटल लैब, सुश्री नोबिना गुप्ता, संस्थापक निदेशक, डिसैपियरिंग डायलॉग्स कलेक्टिव एलएलपी, सुश्री पृथा भट्टाचार्जी, सहायक प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय, श्री तुहिन घोष, प्रोफेसर, समुद्री विज्ञान अध्ययन विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, श्री गौरंगा विश्वास, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर-सीआईएफई, कोलकाता केंद्र, और श्री अजय मित्तल, निदेशक, पृथ्वी दिवस संगठन शामिल थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम सत्र में पर्यावरण संबंधी मुद्दों, जल प्रदूषण, नीली अर्थव्यवस्था और एसडीजी से संबंधित मुद्दों पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। उस पैनलिस्ट में शामिल थे- श्री अनादि मिश्रा, महालेखाकार, कार्यालय महालेखाकार (ऑडिट-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता, श्री कल्याण रुद्र, अध्यक्ष, पश्चिम बंगाल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, श्री अजय मित्तल, निदेशक, पृथ्वी दिवस संगठन और सुश्री अजंता दे, संयुक्त सचिव और कार्यक्रम निदेशक, प्रकृति पर्यावरण और वन्यजीव सोसायटी।

पाठ्यक्रम का प्रतिफल स्तर 9.33 था।

**श्री कल्याण रुद्र, अध्यक्ष, पश्चिम बंगाल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, श्री अनादि मिश्रा, महालेखाकार, कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता, श्री अजय मित्तल, निदेशक, पृथ्वी दिवस संगठन और सुश्री अजंता दे, संयुक्त सचिव और कार्यक्रम निदेशक, प्रकृति पर्यावरण और वन्यजीव सोसायटी पैनल चर्चा के दौरान उपस्थित थे।**

### *(iii)* डीपी के प्रारूपण और इस उद्देश्य हेतु डेटा विज़ुअलाइज़ेशन के प्रयोग पर कार्यशाला

लेखापरीक्षा निष्कर्षों को प्रभावी और निष्पक्ष रूप से संप्रेषित करना लेखापरीक्षकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। अत: ऑडिट टिप्पणियों, निष्कर्षों और संस्तुतियों की स्पष्ट और संक्षिप्त रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के लिए सटीक और अच्छी तरह से संरचित मसौदा पैराग्राफ तैयार करने का प्रशिक्षण आवश्यक है। मसौदा पैराग्राफों का प्रभावी प्रारूपण लेखापरीक्षकों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनकी लेखापरीक्षा रिपोर्ट की स्पष्टता और प्रभावोत्पादकता को बढ़ाता है। प्रशिक्षण में डेटा विज़ुअलाइज़ेशन तकनीक को शामिल करने से जटिल सूचना को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने से लेखापरीक्षकों की क्षमता में वृद्धि होती है। दृश्य प्रतिरूप भी ऑडिट रिपोर्ट को अधिक प्रभावी बनाते हैं, जिससे रिपोर्ट का समग्र प्रभाव और अभिगम्यता बढ़ जाती है। स्पष्ट और अच्छी तरह से तैयार किए गए पैराग्राफ नीति निर्माताओं, व्यवस्थापकों और जनता सहित हितधारकों द्वारा लेखापरीक्षा निष्कर्षों की बेहतर समझ की सुविधा प्रदान करते हैं, जिससे निर्णय लेने में सुविधा होती है और जवाबदेही में सुधार होता है।

जून 2023 में क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता ने दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में डेटा विज़ुअलाइज़ेशन, विज़ुअलाइज़ेशन क्यों आवश्यक है, डेटा विज़ुअलाइज़ेशन के प्रकार और उपकरण, ऑडिट पैरा ड्राफ्टिंग में डेटा विज़ुअलाइज़ेशन का उद्देश्य और उपयोग, सीएजी द्वारा जारी स्टाइल-गाइड का अवलोकन करके पैरा के प्रारूपण पर चर्चा, डेटा विज़ुअलाइज़ेशन का अभ्यास, ड्राफ्टिंग डीपी में डेटा विज़ुअलाइज़ेशन तकनीक के उपयोग तथा केस स्टडी पर चर्चा जैसे विषय शामिल थे। सीएजी द्वारा जारी शैली-मार्गदर्शिका का अवलोकन करके पैरा के प्रारूपण के चर्चा पर प्रशिक्षण सत्र सुश्री देबोलीना ठाकुर, महानिदेशक, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, केंद्रीय, कोलकाता द्वारा लिया गया और अन्य प्रशिक्षण सत्र श्री चंद्रशील, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया।,

पाठ्यक्रम का प्रतिफल स्तर 9.35 था।

**सुश्री देबोलीना ठाकुर, महानिदेशक (केंद्रीय), कोलकाता "सीएजी द्वारा जारी स्टाइल-गाइड का अवलोकन करके पारस(Paras) के प्रारूपण पर चर्चा" विषय पर अपने प्रशिक्षण सत्र के दौरान**

***(iv) अन्य सामान्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये:***

उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, अप्रैल से जून 2023 की अवधि के दौरान क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम भी आयोजित किए गए:

| **क्र.सं.** | **प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम** | **प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संकाय सदस्यों के नाम** | | |
|---|---|---|---|---|
| | | **भा.ले.व.ले.वि (आई.ए.एंड ए.डी) के अंतर्गत** | **भा.ले.व.ले.वि (आई.ए.एंड ए.डी) के अतिरिक्त अन्य** | **क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता के इन-हाउस संकाय सदस्य** |
| **1** | प्री-एसएएस ग्रुप-I (03 अप्रैल 2023 से 11 अप्रैल 2023) | 1. श्री संदीप कोनार, सहायक लेखा अधिकारी, कार्यालय, प्रधान महालेखाकार (लेखा व हकदारी), पश्चिम बंगाल। | 1. श्री विकास कुमार मोहांती, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (सेवानिवृत्त) | 1. श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी<br>2. श्री उत्तम दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी<br>3. सुश्री पारिजात सैकिया, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी<br>4. श्री दीपक कुमार सिंह, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी |
| **2** | एसडीआरएफ से निधि का उपयोग (06 अप्रैल 2023) | शून्य | 1. श्री शिवशंकर बनिक, मुख्य नगर वित्त एवं लेखापरीक्षा अधिकारी, पश्चिम बंगाल सरकार | शून्य |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **3** | भारत सरकार के वित्त और समायोजन खातों पर कार्यशाला (10 से 11 अप्रैल 2023) | 1. श्री संदीप शर्मा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), नई दिल्ली<br>2. श्री सतीश कुमार, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महानिदेशक, लेखापरीक्षा, केंद्रीय व्यय, नई दिल्ली। | शून्य | शून्य |
| **4** | वित्त एवं समायोजन खाते, जिसमें खातों का नोट्स तैयार करना शामिल था, एसएफएआर, स्थानांतरण प्रविष्टियां और वाउचर और स्वीकृतियों का ऑडिट शामिल है (राज्य सरकार के खाते के लिए)<br>(व्यावहारिक)<br>(24 से 27 अप्रैल 2023) | 1. श्री देवतोष प्रामाणिक, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार (लेखा व हकदारी), पश्चिम बंगाल, कोलकाता<br>2. श्री कृष्ण चंद्र कुंडू, सहायक लेखा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार (लेखा व हकदारी), पश्चिम बंगाल, कोलकाता<br>3. श्री जॉयदीप बासु रॉय चौधरी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-**I**), पश्चिम बंगाल, कोलकाता<br>4. सुश्री रिया दत्ता सेन, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार | शून्य | शून्य |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | (लेखापरीक्षा - I), पश्चिम बंगाल, कोलकाता<br>5. श्री सुभ्रदीप भट्टाचार्य, सहायक लेखा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार (लेखा व हकदारी), पश्चिम बंगाल, कोलकाता | | |
| **5** | समेकित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा पर कार्यशाला (15 से 16 मई 2023) | 1. श्री प्रोसेनजीत सेन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महानिदेशक, लेखापरीक्षा (कोयला), कोलकाता | शून्य | शून्य |
| 6 | वित्तीय सत्यापन लेखापरीक्षा (स्वायत्त निकायों के लिए) (29 मई से 01 जून 2023) | 1. श्री फाल्गुनी बंद्योपाध्याय, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय, महानिदेशक लेखापरीक्षा (खान), कोलकाता।<br>2. श्री राहुल चक्रवर्ती, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), कोलकाता।<br>3. श्री सुंदर रामकृष्णन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, मुंबई | 1. श्री अरिंदम सेनगुप्ता, चार्टर्ड अकाउंटेंट, आईसीएआई | शून्य |

## (च) सूचना प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण

### (i) टैली ऑडिटर संस्करण

टैली. ईआरपी 9 लेखा परीक्षकों का संस्करण (एई) को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। टैली बेहद सरल और उपयोग में आनेवाला आसान गणक सॉफ्टवेयर है। सॉफ़्टवेयर की कुछ विशेषताएँ सरल लेखांकन प्रबंधन, फ़ाइलें साझा करने में आसानी, लचीली इन्वेंट्री प्रबंधन, कर-निर्धारण, उत्कृष्ट प्रबंधन, बजट और नियंत्रण, अनुपालन के लिए वन-स्टॉप समाधान, व्यावसायिक रिपोर्ट तक आसानी से पहुँच, पेरोल प्रबंधन, लाभ केंद्र प्रबंधन, बहुभाषी योग्यता, और आसान अनुप्रयोग प्रबंधन हैं। इसमें रिमोट एक्सेस, ऑडिट और अनुपालन सेवा, एकीकृत सहायता केंद्र, सुरक्षा प्रबंधन सहित व्यवसाय प्रबंधन के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए आवश्यक सभी सुविधाएँ हैं। सॉफ़्टवेयर को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि इसे व्यावसायिक आवश्यकता के अनुसार अनुकूलित किया जा सके।

टैली. ईआरपी 9- के लाभ-
लेखा परीक्षकों का संस्करण:

**1**: - **लेखापरीक्षा की दक्षता में बढ़ोतरी**:

टैली. ईआरपी 9- लेखा परीक्षकों का संस्करण लेखा परीक्षकों को ग्राहक के रिकॉर्ड तक दूरस्थ रूप से पहुंचने में मदद करता है। लेखापरीक्षा निष्पादन के लिए उन्हें क्लाएंट के स्थान पर भौतिक रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। टैली के इस उन्नत संस्करण से, सॉफ्टवेयर के जरिए शंका उठ सकता हैं और उसका स्पष्टीकरण किया जा सकता है।

**2. समय और प्रयास को कम किया जाता है:**

ऑडिटर के संस्करण में क्लाएंट साइट पर गए बिना नियमित वैधानिक अनुपालन में सहायता करने की विशेष क्षमताएं हैं। इस प्रकार, अननुपालन के कारणों की शीघ्र पहचान की जा सकती है।

3. **कार्य का अतिरिक्त दायरा:** - चूंकि नियमित कार्यों में काफी समय की बचत होती है, इसलिए ऑडिटर क्लाएंट को अतिरिक्त व्यावसायिक सलाहकार सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता ने कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (आयुध फैक्टरी), कोलकाता के अनुरोध पर टैली ऑडिटर संस्करण पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (20 से 23 जून 2023) का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीस (20) प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण सत्र के अंतर्गत वित्तीय विवरण से संबंधित विषय शामिल थे: बैलेंस शीट और लाभ और हानि वित्तीय विवरण तैयार करना, प्रारंभिक जमा का सत्यापन, शेष राशि का सत्यापन/विश्लेषण, पुनरावृत्त लेनदेन रिपोर्ट: बहीखाता के वाउचर जहां एक राशि दोहराई

जाती है, स्रोत फंड और फंड अनुप्रयोग, आवधिक भुगतान और रसीदें और सापेक्ष आकार कारक रिपोर्ट, ऑडिट जर्नल और टैक्स ऑडिट, विश्लेषणात्मक प्रक्रिया: वित्तीय विवरणों और एकाधिक नमूनाकरण विधि के संबंध में डेटा का सूक्ष्म विश्लेषण।

प्रशिक्षण के लिए संकाय सदस्य श्री देवर्षि भुवालका, चार्टर्ड अकाउंटेंट, आईसीएआई थे और पाठ्यक्रम का प्रतिफल स्तर 9.39 था।.

**टैली ऑडिटर संस्करण पर प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र के दौरान श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, आरटीआई, कोलकाता, श्री देवर्षि भुवालका, चार्टर्ड अकाउंटेंट, आईसीएआई के साथ**

### (ii) *अन्य आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।*

उपरोक्त के अलावा, अप्रैल से जून 2023 की अवधि के दौरान क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता के आईएस विंग द्वारा निम्नलिखित आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे:

| क्र.सं. | प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम | प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संकाय सदस्यों के नाम | | |
|---|---|---|---|---|
| | | भा.ले.व.ले.वि (आई.ए.एंड. ए.डी) के अंतर्गत | भा.ले.व.ले.वि (आई.ए.एंड. ए.डी) के अतिरिक्त अन्य | इन-हाउस संकाय सदस्य |
| 1 | आईडिया (10 से 13 अप्रैल 2023) | शून्य | शून्य | 1. श्री सुशोभन चटर्जी, सहायक |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | लेखापरीक्षा अधिकारी |
| 2 | टैली. ईआरपी 9- ऑडिट मॉड्यूल<br>(10 से 17 अप्रैल 2023) | शून्य | 1. श्री अभिषेक सोंथालिया, चार्टर्ड अकाउंटेंट, आईसीएआई<br>2. श्री देवर्षि भुवालका, चार्टर्ड अकाउंटेंट, आईसीएआई<br>3. श्री रूपेश कुमार साव, चार्टर्ड अकाउंटेंट, आईसीएआई | शून्य |
| 3 | आईटी ऑडिट (थ्योरी)<br>(22 से 26 मई 2023) | 1. श्री संदीप कोनार, सहायक लेखा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा व हकदारी), पश्चिम बंगाल।<br>2. श्री संतोष कुमार ठाकुर, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता | 1. श्री विकास कुमार मोहांती, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (सेवानिवृत्त) | 1. श्री सुशोभन चटर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी |
| | | | | |
| 4 | आईटी ऑडिट (प्रैक्टिकल)<br>(05 से 09 जून 2023) | 1. श्री गुलरेज़ फ़हमी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला), कोलकाता। | शून्य | शून्य |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 2. श्री समरेश रॉय (राम), वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा - I), पश्चिम बंगाल, कोलकाता।<br>3. श्री पलाश रक्षित, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला), कोलकाता।<br>4. श्री जॉयदीप मुखर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली | | |
| 5 | ई-खरीद पर कार्यशाला<br>(20 जून 2023) | 1. श्री गौरव राय, निदेशक, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली | 1. श्री शिवशंकर चक्रवर्ती, अधीक्षण अभियंता, पी.डब्ल्यू. (सड़क) निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार<br>2. रितेश पॉल, कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार | शून्य |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | 3. नज़मुस शहादत मोल्ला, सॉफ्टवेयर सपोर्ट कार्मिक, एनआईसी<br>4. श्री रमेश सामंता, एप्लीकेशन/सॉफ्टवेयर डेवलेपर, आईएमपीएस, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी | |

## (छ). उपयोगकर्ता कार्यालयों की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढांचा प्रदान किया गया।

क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता में दो आईटी लैब और एक सम्मेलन कक्ष है। संस्थान प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन के लिए बुनियादी ढांचा प्रदान करके उपयोगकर्ता कार्यालयों को प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने की सुविधा प्रदान करता है। अप्रैल से जून 2023 की अवधि के दौरान, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता की सुविधा से निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए:

| क्र.सं. | प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम | अवधि | उपयोगकर्ता कार्यालय का नाम |
|---|---|---|---|
| 1 | इन-हाउस प्रशिक्षण | 16 जून 2023 | कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल |
| 2 | कृषि विभाग की कार्यप्रणाली एवं लेखापरीक्षा | 27 जून 2023 | |
| 3 | योग शिविर | 11 से 12 मई 2023 | केंद्रीय जांच ब्यूरो |

## (ज) उपयोगकर्ता कार्यालयों और भा.ले.व.ले.वि. के बाहरी कार्यालयों को प्रशिक्षण दिया गया।

सभी प्रशिक्षण संस्थानों की उत्कृष्टता और गुणवत्ता निष्पादन की मूल्यवान संपत्ति - संकाय सदस्यों पर निर्भर है। इसलिए, प्रशिक्षण संस्थानों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि संकाय सदस्यों को प्रशिक्षण और विकास में पर्याप्त सहायता और अवसर प्रदान किए जाएं। संकाय सदस्यों को संस्थानों की भूमिका के प्रति सकारात्मक धारणा होनी चाहिए जब वो

प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों में भाग लेने के साथ-साथ इस विभाग के अन्तर्गत आनेवाले कार्यालयों के साथ-साथ अन्य विभागों के कार्यालयों में प्रशिक्षण देने के लिए भेजने की अनुमति प्राप्त करते हैं।

इस प्रयत्न में, क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता के संकाय सदस्यों ने क्षेक्षनिज्ञासं, कोलकाता के बाहर के कार्यालयों को निम्नवत् प्रशिक्षण प्रदान किया हैं।

| **क्र.सं.** | **प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम** | **प्रशिक्षण का दिनांक** | **सत्रों की संख्या** | **जिस कार्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था** | **संकाय सदस्यों के नाम** |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग में जन जीवन रोजगार में पूर्ण सत्यनिष्ठा, कर्तव्य के प्रति समर्पण, नैतिक मानकों और ईमानदारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम | 26 अप्रैल 2023 | 2 | कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल | श्री दीपक कुमार सिंह, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी |
| **2** | सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी से वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी में पदोन्नति हेतु सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों का अनिवार्य प्रशिक्षण (ऑनलाइन माध्यम) | 19 मई 2023 | 3 | कार्यालय प्रधान निदेशक , क्षेक्षनिज्ञासं, शिलांग | श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी |

## (झ) प्रश्नोत्तरी

1. भारत में निम्नलिखित में से कौन सी वित्तीय समावेशन योजनाएँ हैं?

(क) प्रधानमंत्री जनधन योजना

(ख) अटल पेंशन योजना

(ग) प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

(घ) उपर्युक्त सभी

2. संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएन-जीए) द्वारा _____ और इसे _____ द्वारा प्राप्त करने का प्रयोजन है।

(क) 2010, 2025

(ख) 2015, 2030

(ग) 2021, 2050

(घ) इनमे से कोई नहीं

3. डेटा विश्लेषण एक प्रक्रिया है-

(क) डेटा का निरीक्षण करना

(ख) डेटा साफ़ करना

(ग) डेटा परिवर्तित करना

(घ) उपर्युक्त सभी

4. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द इतना जटिल डेटा सेट के लिए उपयुक्त है जो पारंपरिक डेटा प्रोसेसिंग अनुप्रयोग के लिए अपर्याप्त हैं क्योंकि उस डेटा में उच्च वेग, उच्च विविधता और उच्च मात्रा है?

(क) लार्ज डेटा

(ख) बिग डेटा

(ग) डार्क डेटा

(घ) इनमें से कोई नहीं हैं।

5. निम्न में से कौन-सा बिग डेटा के घटक हैं:

(क) एचडीएफएस

(ख) मैप रिड्यूज

(ग) यार्न

(घ) उपर्युक्त सभी

6. टैली प्राइम में कैलकुलेटर प्राप्त करने के लिए कीबोर्ड शॉर्टकट क्या है?

**(क)** CTRL + P

**(ख)** CTRL + C

**(ग)** CTRL + N

**(घ)** CTRL + H

7. एक बैंक से दूसरे बैंक में रिकॉर्ड को स्थानांतरित करने के लिए किस वाउचर टाइप का प्रयोग किया जाता है?

(a) कोन्ट्रा (Contra)

(b) रिसिप्ट (Receipt)

(c) पेमेंट (Payment)

(d) जर्नल (Journal)

8. टैली प्राइम में किसी भी वाउचर/रिपोर्ट को भेजने के लिए कीबोर्ड शॉर्टकट क्या है?

(क) CTRL + E/ALT + E

(ख) CTRL + L/ALT + L

(ग) CTRL + D/ALT + D

(घ) CTRL + N/ALT + N

9. बेनफोर्ड के नियम के अनुसार, मूल्यों के डेटासेट में 1 का पहला अंक होने की संभावना क्या है?

(क) 40.1%

(ख) 30.1%

(ग) 12.5%

(घ) 17.6%

10. वर्तमान दिनांक/अवधि बदलने के लिए कीबोर्ड शॉर्टकट क्या है?

(क) F3

(ख) F5

(ग) F2

(घ) F7

## (ञ). प्रश्नोत्तरी के उत्तर

1. **(d)**
2. **(b)**
3. **(d)**
4. **(b)**
5. **(d)**
6. **(c)**
7. **(a)**
8. **(a)**
9. **(b)**
10. **(c)**

**क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता**

**भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग**

**तीसरा एमएसओ बिल्डिंग, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, 5वीं मंजिल (ए विंग), डीएफ ब्लॉक,**

**साल्ट लेक, सेक्टर - I, कोलकाता - 700064**

**टेलीफोन नंबर:(033) 23213907/6708**

**ईमेल: rtikolkata@cag.gov.in**

**SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA**

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

Dedicated to Truth in Public Interest